

विधायक दल की बैठक बुलाने का जोखिम नहीं लेना चाहता आलाकमान, क्योंकि 25 सितम्बर की घटना में उसकी किरकिरी हो चुकी

इसी के साथ पायलट खेमे को संतुष्ट करने के लिए नोटिस का जवाब देने वाले तीनों नेताओं पर कार्यवाही भी की जा सकती है, इस क्रम में रंधावा कई नेताओं से अकेले में बात कर चुके हैं

जयपुर, 22 मार्च (का.प्र.)। कांग्रेस आलाकमान इस समय भयभीत नजर आ रहा है। इसका कारण यह है कि सचिन पायलट ने जहाँ 25 सितंबर 2022 के घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस अनुशासन समिति की ओर से तीन नेताओं को दिए गए नोटिस पर कार्यवाही नहीं होने का मुद्दा उठाया है तथा पायलट खेमे के एक विधायक ने भी यही मांग उठाने के साथ विधायक दल की बैठक बुलाने की मांग की है, तो मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भी इसका समर्थन किया है, लेकिन 25 सितंबर के घटनाक्रम में मात खाने के बाद अब पार्टी आलाकमान वैसा ही घटनाक्रम दोहराना नहीं चाहता है।

यही कारण है कि एक ओर तो कांग्रेस आलाकमान पूरे मामले को लटका कर रख रहा है, दूसरी तरफ राजस्थान में चुनावी समय नजदीक आता जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस के विधायक आशंकित दिख रहे हैं कि यदि

जल्दी ही इस पूरे मामले पर कोई निर्णय नहीं हुआ, तो दोनों खेमों के बीच इस अंतर्द्वंद का नुकसान उठाना पड़ सकता है। दरअसल विधायक भले ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ ज्यादा रहना चाह रहे हो, लेकिन अधिकांश विधायक सचिन पायलट को एडजस्ट किए जाने को लेकर भी सकारात्मक रख दिखा रहे है, लेकिन निर्णय तो पार्टी आलाकमान को भी लेना है।

इधर एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि जिस तरह से सचिन पायलट और उनके समर्थक विधायकों ने 25 सितंबर के घटनाक्रम को लेकर फिर से चर्चा शुरू की है, वही राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा है कि विधायकों की मांग पर, जरूरत पड़ने पर वे विधायक दल की बैठक बुलाने की बात कर सकते हैं। यही कारण है कि रंधावा ने अपनी 2 दिन की यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री अशोक

- एक सुझाव यह भी आया है कि, सचिन पायलट को पी.सी.सी. या चुनाव कैम्पेन कमेटी का अध्यक्ष बना दिया जाए। पर यह मान्य नहीं होगा यह दिल्ली भी जानती है। फिर क्या यह केवल धूमित करने की चेष्टा है।**

गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटोसरा के अलावा प्रताप सिंह खाचरियावास, महेश जोशी सहित कई विधायकों से विधानसभा में अलग से चर्चा की है, ताकि विवादों का हल निकाला जा सके।

चर्चाओं में यह तो तय हुआ है कि मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जाए। बताया जा रहा है कि आने वाले 15 दिनों में राजस्थान में मंत्रिमंडल का फेरबदल हो सकता है, जिसमें करीब 1० मंत्रियों को सत्ता से हटाकर संगठन में भेजा जा सकता है, लेकिन असली समस्या यह है कि आखिरकार सचिन पायलट को कहां एडजस्ट किया जाए। जानकारी के

अनुसार सचिन पायलट मुख्यमंत्री पद से कम पर मनने को तैयार नहीं है, लेकिन दूसरी ओर 25 सितंबर 2022 के घटनाक्रम को देखते हुए कांग्रेस आलाकमान किसी भी स्थिति में फिर से वही विवाद नहीं चाहता। ऐसे में अब चर्चा यह है कि सचिन पायलट को प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया जाए और यदि वे इस बात पर तैयार नहीं हो, तो उन्हें 2०23 विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस कैम्पेन कमेटी का अध्यक्ष बना दिया जाए। यदि सचिन पायलट इन दोनों में से किसी एक पद पर आ जाते हैं, तो वे टिकट बंटवारे में अपनी राय जाहिर कर पाएंगे और यदि उन्हें कोई पद नहीं

मिल पाता है, तो फिर वह टिकट बंटवारे में अपनी राय नहीं रख पाएंगे। इसीलिए उनके विधायकों को और समर्थकों को वह आशंका सता रही है कि कहीं उनके टिकट न काट दिए जाएं। इसी के साथ 25 सितंबर वाले मामले में तीनों नेताओं पर कार्यवाही कर दी जाए। इससे भी पायलट खेमे को खुश किया जा सकता है।

कहा जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान मंत्रिमंडल में फेरबदल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बदलाव को लेकर तो तैयार है, लेकिन चुनाव से 6 महीने पहले मुख्यमंत्री बदलने के लिए एक बार फिर विधायक दल की बैठक बुलाने को तैयार नहीं है। इसका कारण यही बताया जा रहा है कि जिस तरह का घटनाक्रम 25 सितंबर 2022 को हुआ, उसमें आलाकमान की किरकिरी हुई थी। उस घटनाक्रम के गवाह खुद मल्लिकार्जुन खड़गे हैं जो कांग्रेस अध्यक्ष बन चुके हैं। ऐसे में उन्हें

भारत ने पलटवार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
पर टिप्पणी करने से बचने की कोशिश की है।

भारत ने ऐसा कदम अंतिम बार 2०13 में तब उठाया था, और अमेरिकन दूतावास के बाहर सुरक्षा बैरिकेड्स हटा दिये गये थे। यह कार्यवाही अमेरिका में भारतीय राजनयिक देवयानी खोबरागे को ‘बाँडी सर्च’ तथा गिरफ्तारों के प्रतिकार स्वरूप की गई थी। ज्ञातव्य है कि देवयानी पर कथित रूप से वीजा-फ्राँड तथा भारत के एक फोरलू नौकर के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप थे।

1० साल पुराने इस खोबरागे प्रकरण के दौरान, भारत ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय संबंधों में कटौती कर दी थी तथा अमेरिका ने कानून-निर्माताओं के एक प्रतिनिधिमंडल को भी भारत के शीर्ष अधिकारियों से नहीं मिलने दिया गया था। इस समय, भारत सरकार इस दिशा में बढ़ती प्रतीत नहीं हो रही है। पुधवार को, अश्वर ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने तो डिफेंसिव क्राइम ऑफ़ नैट ज़ीरो के ब्रिटिश अधिकारियों के साथ मीटिंग तक की। जहाँ तक ब्रिटिश सरकार का प्रश्न है, उसने लंदन में ‘इंडिया हाउस’ के

पीएम मोदी के बारे में बात करते हुए, सैम पित्रोदा ने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब आप सरकार में आते हैं, तो आप केवल 3०-4० प्रतिशत लोगों के बारे में नहीं सोचते हैं, जिन्होंने आपको वोट दिया, बल्कि आप सभी के लिए एक प्रधानमंत्री हैं। सैम पित्रोदा ने आगे कहा कि अगर वह (पीएम मोदी) केवल एक समूह के हित के लिए काम करते हैं तो वह राष्ट्रीय प्रधानमंत्री नहीं है।

हमारी-अमेरिकी व्यवसायी जॉर्ज सोरोस पर बोलते हुए सैम पित्रोदा ने कहा कि वह (सोरोस) उन लोकतंत्रों में निवेश करने में विश्वास करते हैं जो उनके लोकतंत्र के दृष्टिकोण के अनुसार काम कर रहे हैं।

श्री के माँस्को दौर के बाद यूक्रेन में शांति स्थापना एक दूर की कौड़ी प्रतीत हुआ। पश्चिमी कूटनीतिकों और सुरक्षा विशेषज्ञों ने कहा कि श्री का माँस्को दौर पश्चिमी देशों और उनकी प्रकट लोकतांत्रिक एवं उदार अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था के विरोध में रूस-चीन संबंधों को मजबूत करने के लिए था और इन दोनों नेताओं ने पश्चिमी व्यवस्था के स्थान पर अपना अधिनायकवादी वैश्विक दृष्टिकोण थोपना चाहा।

गिनयेंल, श्री जिर्नपेग का तीन दिवसीय माँस्को दौरा आर्थिक सहयोग के कई समझौतों और रूस-चीन धुरी को मजबूती प्रदान करने के साथ सम्पन्न

‘मोदी सिर्फ एक ही पार्टी के प्र.मंत्री लगते हैं’ तथा राहुल गांधी पढ़े-लिखे व समझदार हैं’

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने कहा कि, लोकतंत्र का मतलब सिर्फ मतदान नहीं होता इसका मतलब है स्वतंत्रता सभी संस्थानों की, विश्वविद्यालयों की और पुलिस की भी

नई दिल्ली, 22 मार्च। एक प्रमुख न्यूज चैनल इंडिया टीवी के साथ खास बातचीत में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने अपनी हालिया लंदन यात्रा के दौरान भारतीय लोकतंत्र पर राहुल गांधी की टिप्पणी, कैसे भारत में संस्थानों पर कब्जा किया जा रहा है और देश में वर्तमान सरकार पर उनके विचार के बारे में बात की। पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे जाने-माने राजनेताओं के परिवार से आते हैं और राहुल की वंशजवली है, इसलिए स्वाभाविक रूप से उन्हें बहुत ध्यान मिलता है। पित्रोदा ने कहा है कि विपक्ष में राहुल गांधी ही एकमात्र राष्ट्रीय नेता हैं और बाकी सब मुख्य रूप से स्थानीय नेता हैं क्योंकि

कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है। सरकार के इस आरोप का जवाब देते हुए कि राहुल गांधी ने भारतीय लोकतंत्र पर अपनी टिप्पणी से देश का अपमान किया, सैम पित्रोदा ने कहा कि वे उनकी (राहुल) टिप्पणी पर रक्षात्मक नहीं होने जा रहे हैं। सच्चाई को बाहर आने की जरूरत है। इस वैश्विक युग में आप कुछ भी नहीं छिपा सकते...

इसलिए आप क्या और कहां कहते हैं इससे कोई फर्क नहीं पड़ता आप जो भी कहते हैं वह वैश्विक हो जाता है।

सैम पित्रोदा ने कहा कि लोकतंत्र स्वतंत्रता, संस्थानों, विश्वविद्यालयों और पुलिस में स्वतंत्रता के बारे में है और यह केवल मतदान के बारे में नहीं है। बेशक यह एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

लोकतंत्र वैश्विक जनता की भलाई के लिए है और भारतीय लोकतंत्र दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें 14० करोड़ लोग हैं। पित्रोदा ने कहा कि दुनिया को भारत के लोकतंत्र पर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि यह वर्तमान में दबाव में है संस्थानों पर कब्जा कर लिया गया है झूठ का प्रचार किया जा रहा है।

आगे राहुल गांधी की विभिन्न टिप्पणियों पर बोलते हुए, सैम पित्रोदा ने कहा कि अगर राहुल गांधी कुछ भी कहते हैं तो कई मंत्री, और मुद्दी भर टीवी चैनल उनके पीछे होंगे न्यायपालिका से समझौता किया जा रहा है विश्वविद्यालय सहित संस्थान कमजोर हो गए हैं, झूठ फैलाया जा रहा है और इसे सुलझाना लोगों पर निर्भर है।

आंध्र में मु.मंत्री व पूर्व ...

के बीच ही है, जो हमेशा की तरह राज्य विधानसभा की कार्यवाही में बाधाएँ डालती रही है। मंगलवार को, “लॉबल इन्वेस्टर्स समिट इन्वेस्टमेंट्स- स्किल डवलपमेंट फॉर यूथ- एम्प्लॉयमेंट” पर राज्य विधानसभा में एक अल्पकालिक चर्चा में भाग लेते हुये, मुख्यमंत्री रेड्डी ने पहली बार कथित रिक्ल डवलपमेंट घोटाले में सीधे ही नयडू का नाम लिया तथा उन पर पूरे पैसे को अप्रत्यक्ष रूप से बेनामी खातों में पहुँचा देने का आरोप लगाया।

नयडू के शासनकाल की फाहलें लेकर पता चलता है कि पूर्व मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव तथा प्रधान वित्त सचिव पर एक स्किल डवलपमेंट प्रोग्राम को प्रोत्साहित करने के लिये दबाव डाला था तथा एक इकरारनामा करने के मामले में सारे नियम-कायदे ताक पर रख दिये गये थे। रेड्डी ने नयडू तथा उनकी सरकार हमला करते हुये, सीमेन्स की एक अंदरूनी रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसने कथित रूप से घोटाले का सहारा लिया था।

रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री नयडू पर

तमिलनाडू की पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 4 की मौत

चेन्नई, 22 मार्च (वार्ता)। तमिलनाडू में कांचीपुरम जिला के कुरुमिललाई गाँव में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट होने से बुधवार को कम से कम चार लोगों की मौत हो गयी और 2० से अधिक लोग घायल हो गये। पुलिस मरणात्यय में से प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस घटना में चार लोगों की

- इस हादसे में कम से कम 20 अन्य लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये।**

मौत हुए हैं। मृतकों में पटाखा फैक्ट्री का मालिक सुदर्शन (31) भी शामिल है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए कांचीपुरम के सरकारी अस्पताल में भेज दिया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कई लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है।

‘जिले गठन के लिए वैधानिक प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है’

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा, जिले गठन के लिए लैण्ड रैवेन्यू एक्ट 1956 लागू होता है, लेकिन इसकी जरा भी पालना नहीं हुई है

- राठौड़ ने कहा, कांग्रेस के मंत्री व विधायकों की धमकियों के चलते की गई नए जिलों की घोषणा।**

- उन्होंने यह भी कहा कि, भाजपा डॉक्टरों से अपील करती है कि, लोगों की जिन्दगी बड़ी अनमोल है, मरीजों का ईलाज जारी रखना चाहिए।**

का पर्यटक पृष्ठता है कि राजस्थान को राजधानी कौनसे जिले में है, रूद्र और खेडली को ग्राम पंचायत से सीधे ही जिला बना दिया, तहसील से उपखंड बनते देखा, लेकिन ग्राम पंचायत से सीधे ही जिला बनना कांग्रेस की किस भावना को दर्शाता है। जबकि 7 एसे शहर हैं जो जिले की मांग को लेकर पिछले 4-5 दिनों से बंद चल रहे हैं और कांग्रेस द्वारा नियमों के विपरीत 5 पंचायतों की बना दी गई हैं, जो नियम के

विरुद्ध हैं। अब भाजपा का जनहित में लगातार संघर्ष जारी रहेगा।

राठौड़ ने कहा कि, चिकित्सा के क्षेत्र में पूर्व में चल रही चिरंजीवी योजना के 6० प्रतिशत क्लेम प्राइवेट अस्पतालों में होते है, जो अधिकांश बंद हैं, राजस्थान में आज अराजकता का माहौल बना हुआ है, राज्य में जितने भी नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, उनमें निरीक्षण के नाम पर खाना पूर्ति की जा रही है, चिरंजीवी

-लक्ष्मण वेंकट कुची-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मार्च। कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पूर्व भाजपा के लिए स्थिति खुशनुमा नहीं है। ए.आई.सी.सी. अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पिछले लोकसभा चुनाव में हराने में भाजपा की मदद करने वाले नेता बाबूराव चिंचान्सुर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पिछले लोकसभा चुनाव में हराने में भाजपा की मदद करने वाले नेता बाबूराव चिंचान्सुर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिव कुमार की उपस्थिति में बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। इस स्थिति में कोई अच्छी बात है तो वह यह कि चुनावों की घोषणा से ठीक पहले भाजपा नेता का कांग्रेस में शामिल होना विपक्षी पार्टी (कांग्रेस) के लिए उत्साहनजनक है जो कि चुनाव प्रचार में उर्जा और आक्रामकता दिखा रही है।

कोली-कब्बालिगा समुदाय के एक प्रमुख नेता का कांग्रेस में शामिल होना भाजपा के लिए एक करारा झटका है। क्योंकि उसे इसकी उम्मीद ना के बराबर थी। सोमवार को यह सार्वजनिक हो गया कि भाजपा के लोग पार्टी छोड़ रहे हैं और

- कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा छोड़ने का सिलसिला और तेज हो गया है। भाजपा के बाबूराव चिंचान्सुर कांग्रेस में लौटा आए। गौरतलब है कि, बाबूराव ने गत आम चुनाव में खड़गे को हराने में भाजपा की मदद की थी।**

बताया जाता है कि उनका रूख कांग्रेस की ओर है। बाबूराव के लिए यह एक तरह से घर वापसी जैसा था क्योंकि चुनाव हारने के बाद वर्ष 2०18 में वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। वह इससे पहले सिद्धारमेय्या सरकार में मंत्री थे।लेकिन, भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने गुलबर्गा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में खड़गे को हराने में प्रमुख भूमिका निभाई और अब अपनी पैतृक पार्टी में उनकी वापसी को विधानसभा चुनावों से पूर्व पार्टी को मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है। यह आगामी लोकसभा चुनावों के दौरान बनने वाली स्थिति के लिए एक संकेत भी है। कांग्रेस ने देश के अन्य भागों के विपरीत कर्नाटक में भाजपा खेमे में जा चुके अपने नेताओं की घर वापसी करने में सफलता अर्जित की है। कुछ हफ्ते पूर्व भाजपा विधायक दल के सदस्य पुट्टरा भी भाजपा से इत्थी फा देकर कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भूकम्प के कारण 50 इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं

इस्लामाबाद, 22 मार्च (वार्ता)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भूकम्प के कारण जानमाल को काफी नुकसान हुआ है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में प्रंत में मंगलवार को आये तेज भूकंप के झटकों के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गयी और 4.4 अन्य घायल हो गये। अफगानिस्तान में भी भूकम्प से 4 लोगों की मौत हो गई तथा 8० अन्य लोग घायल भी हुये हैं।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी अब्दुल बासित ने बुधवार को स्थानीय मीडिया को बताया कि भूकंप से कम से कम 19 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं।

राजवलिंडी, इस्लामाबाद, मनसेहरा, एबटाबाद, मुजफ्फराबाद, पेशावर, हरिरपुर, मर्दन, चित्राल, चारसहा और अन्य सहित देश के उत्तरी हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किये

- पाकिस्तान और अफगानिस्तान में 13 लोगों की मौत हो गई तथा करीब 125 लोग घायल हुये हैं।**

गये थे।

स्थानीय मीडिया के अनुसार पंजाब प्रांत के विभिन्न शहरों में भी भूकंप के झटके महसूस किये गए, हालांकि अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इसके अलावा लोहार, मुल्तान, फैसलाबाद, मुजफ्फरगढ़, साहीवाल, ओकारा और अन्य शहरों में भूकंप के झटके महसूस किया गए।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केन्द्र हिंदुकुश क्षेत्र में उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान के जुर्म शहर के पास 187 किलोमीटर गहराई में स्थित था। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने भूकंप की तीव्रता 6.8, जबकि अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने भूकंप की तीव्रता 6.5 बताई है।

डॉन समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में भी भूकंप के झटके महसूस किए गये।

^[1] राष्ट्रदूत (एचएचएफ) के लिए प्रमुख एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RA/JHN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स: 0141-2373513, कोटा कार्यालय: पलायथा हाऊस, छत्रपति सिंघाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय: इन्ड्रामना हाऊस, इन्दुगान हवा, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स: 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत पब्लिशर्स, चूंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डीनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रैकी औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डीनसिटी। फोन: 230200, 2304000, फैक्स: 07469-230600 सूूर कार्यालय: एच-150, रैकी औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908